आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई और सिलाई एवं बैग निर्माण
2022

एसएचजी/नाम	:	जय माँ नयना स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	मलौण पंगवाणा
एफटीयू/रेंज	:	स्वारघाट
डीएमयू/मंडल	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू स्वारघाट और जय माँ नयना एस एच जी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8-9
अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
वित् की आवश्यकता	10-11
निगरानी विधि	11
टिपणी	12
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं बैग बनाना	12
कार्यकारी सारांश	12
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	12
उत्पादन योजना का विवरण	13
अर्थशास्त्र का विवरण	13-14
फंड की आवश्यकता	15
अनुलग्नक	16-17

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसकाआबादी घनत्व काफी है ।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों औरहिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्तेमंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा हैं। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

मलौण पंगवाणा वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "जय माँ नयना " स्वयं सहायता समुह, कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बैग निर्माण करने का फैसला किया। जिसमें डॉ0 उल्शीदा,विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, कुलदीप सिंह , वन रक्षक, स्वाहण बीट और पूनम ठाकुर एफ टी यु कोऑर्डिनेटर स्वारघाट शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

मलौण पंगवाणा वन ग्रामीण विकास समिति:-

मलौण पंगवाणा वन ग्रामीण विकास समिति में मलौण व् पंगवाणा गांव शामिल है इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन गावं पंगवाणा में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के स्वाहण ब्लॉक में स्थित है मलौण पंगवाणा वन ग्रामीण विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के स्वारघाट वन परिक्षेत्र के तहत वन खण्ड व् बीट स्वाहण के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	69
बीपीएल परिवार	26
कुल जनसंख्या	349

स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक जय माँ नयना सहायता समूह का गठन में मलौण पंगवाणा वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।जय माँ नयना स्वयं सहायता समुह महिला समूह (10महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र.स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	रिश्मा देवी W/o लेखराम	प्रधान	अनु०जाति	34	5th	7876808593
2.	पिंकी देवी W/o रोमपाल	सचिव	सामान्य	33	10th	7018986601
3.	निशा देवी W/o ज्ञानचन्द	कोषाध्यक्ष	अनु०जाति	35	7th	7018164613
4.	रजनी देवी W/o बंसीलाल	सदस्य	-"-	25	12th	9816620619
5.	रेखा देवी W/o हुक्म सिंह	-"-	-"-	26	12th	8628924248
6.	रितु कुमारी W/o रामशेर सिंह	-"-	-"-	34	12th	9015061984
7.	अंजना देवी W/o संजय कुमार	-"-	-"-	37	5th	8580837070
8.	अदिति देवी W/o चमन लाल	-"-	-"-	23	B.A	7743073264
9.	रीना देवी W/o जीतराम	-"-	-"-	32.	8th	8544763074
10.	प्रकाशी देवी W/o श्यामलाल	-"-	-"-	47	5th	7876788451
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

रिशमा देवी (प्रधान)

पिंकी देवी (सचिव)

निशा देवी (कोषाध्यक्ष)

रजी देवी

रेखा देवी

रिशु देवी

अंजना देवी

अदिती देवी

रीना देवी

प्रकाशी देवी

जय माँ नयना स्वयं सहायता मलौण पंगवाणा

एसएचजी का नाम	::	जय माँ नयना
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	मलौण पंगवाणा
परिक्षेत्र	::	स्वारघाट
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	मलौण
खंड	::	स्वाहण
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	अप्रैल,2021
बैंक का नाम और विवरण	::	हि०प्र०सहकारी बैंक स्वारघाट
बैंक खाता संख्या	::	11810108275
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-माह
कुल बचत	::	11000
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	57किमी
मेन रोड से दूरी	: :	5किमी
स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	:	स्वाहण 5 किमी, जनाली 4 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	स्वारघाट 15 किमी, किरतपुर 20 किमी, बिलासपुर 57 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	स्वारघाट, किरतपुर, बिलासपुर

बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	-

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	:: ::	अन्त र्निहित गांव – मलौण पंगवाणा आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।

बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tap	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**68800**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800

2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	**8400**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	68800	51600/-	17200/-
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800

प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**126600**	**101600/-**	**25000/-**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	□ पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:
समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि बैग निर्माण है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

बैग बनाना

द्वारा

जय माँ नयना स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

बैग उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण बैग उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका मे सुधार ला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षण औरउन्नत किस्म की मशीनें समूह को अनुदान पर प्रदान की जाएँगीं। जिस से समूह के सदस्य अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

उत्पाद का नाम	::	बैग

उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी औरपारंपरिक फसलें उगाता है।चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादनकेसंतृप्तिबिंदुपरपहुंचगईहै, इसलिएवेअपनीवित्तीयआवश्यकताओंकोपूराकरनेमेंसक्षमनहींहैं, इसलिएसमूहकेसदस्यद्वारायहनिर्णयलियागयाहैकिजेआईसीएपरियोजनाकीसहायतासेबैगबनानाशुरूकियाजानाहै, जोउनकीआयमेंवृद्धिहोगी।
एसएचजी/सीआईजी/ कीसहमतिसमूह	::	सहमतिअनुलग्नककेरूपमेंसंलग्नहै।

उत्पादनयोजनाकाविवरण

समयलिया	::	बैगकेप्रकारऔरआकारकेआधारपर 1 बैगकोपूराहोनेमेंलगभग 1-2 घंटेलगतेहैं
शामिलमहिलाओंकीसंख्या	::	सभीमहिलाएं।
कच्चेमालकास्रोत	::	स्थानीयबाजार / मुख्यबाजार
अन्यसंसाधनोंकास्रोत	::	स्थानीयबाजार / मुख्यबाजार
प्रतिदिनअपेक्षितसिलेबैग	::	शुरूमें 4 बैग

विपणन/बिक्रीकाविवरण

संभावितबाजारस्थान / स्थान	::	आच्छादितगांव – मलौण पंगवाणा आस-पासकेसंस्थान - स्कूल, कॉलेजआदि
बैगकीमांग	::	सालभर(लंचबॉक्सऔरपानीकीबोतलोंकेलिएबैगऔरउत्सव, शादीकेअवसरोंपरयात्राके लिए कैरीबैगकीमांगअधिकहोती है
बाजारकीपहचानकीप्रक्रिया	::	समूहकेसदस्यआस- पासकेग्रामीणों/घरों/संस्थाओंसेसंपर्ककरेंगे।
विपणनरणनीति		एसएचजीसदस्यसीधेआस- पासकेग्रामीणों/घरों/संस्थाओंसेआदेश (व्यक्तिगतस्तर/समूहस्तर) लेंगे।

जोखिमविश्लेषण

- कौशलआधारित
- जरूरतअनुसार
- अत्यधिकप्रतिस्पर्धीबाजार

सदस्योंकेबीचप्रबंधनकाविवरण

आपसीसहमतिसेएसएचजीसमूहकेसदस्यकार्यकोअंजामदेनेकेलिएअपनीभूमिकाऔरजिम्मेदारीतयकरेंगे।सदस्योंकेबीच उनकीमानसिकऔरशारीरिकक्षमताकेअनुसारकामकाबंटवाराकियाजाएगा।

- समूहकेकुछसदस्यप्री-प्रोडक्शनप्रक्रिया (यानी - कच्चेमालकीखरीदआदि) मेंशामिलहोंगे।
- कुछसमूहसदस्यउत्पादनप्रक्रियामेंशामिलहोंगे।
- समूहकेकुछसदस्यपैकेजिंगऔरमार्केटिंगमेंशामिलहोंगे।

अर्थशास्त्रकाविवरण :

	आवर्ती लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	बैग बनाने के लिए कपड़ा (जूटऔरमोटीकपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600
3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/ माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	बैग/माह	लगभग	लगभग	8000
5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत					**23500**

सी।	**उत्पादन की लागत (मासिक)**	
अनु क्रमांक	**विवरण**	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	**23500**

	बैग की कीमत (प्रति बैग)				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्ठा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आयऔरव्ययकाविश्लेषण (महीनेके):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह सिले कुल बैग	120 (लगभगमात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300
6.	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंडकीआवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
2	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	**73500**	**50000**	**23500**

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 68800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =76600/-

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 0/- (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग –I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 23500/-

प्रशिक्षण पर खर्च = 50000/-

व्यवसाय योजनाका कुल योग रु. केवल 150100/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	प्रशिक्षण	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	68800/-	7800/-	50000/-	101600/-	25000/-	126600/-
2.	बैग बनाना	0	23500/-		0	23500/-	23500/-
	कुल	**68800/-**	**31300/-**	**50000/-**	**101600/-**	**48500/-**	**150100/-**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह ([illegible]) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	रिशमा देवी w/o लेखराम	प्रधान	अनु० जाति	34	रिशमा देवी
2	पिंकी देवी w/o रामपाल	सचिव	सामान्य	33	पिंकी देवी
3	निशा देवी w/o ज्ञानचंद	कोषाध्यक्ष	अनु० जाति	35	जीशा देवी
4	रजी देवी w/o बसीलाल	सदस्य	—"—	25	Rajji Devi
5	रेखा देवी w/o हुकमसिंह	—"—	—"—	26	Rekha Devi
6	रिशु कुमारी w/o शमशेर	—"—	—"—	34	Rishu Kumari
7	अंजना देवी w/o संजय	—"—	—"—	37	अजना देवी
8	अदिति देवी w/o चमन	—"—	—"—	23	Aditidevi
9	रीना देवी w/o जीतराम	—"—	—"—	32	रीना देवी
10	प्रकाशी देवी w/o श्याम लाल	—"—	—"—	47	प्रकाशी देवी
11					
12					
13					
14					
15					
16					

2

हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह
गांव मलौण, तह०श्री नैना देवी जी
स्थित-स्वारघाट,जिला-बिलासपुर(हि०प्र०)

हस्ताक्षर प्रधान
जय माँ नयना स्वयं सहायता समूह
प्रधान स्वयं सहायता समूह
गांव मलौण, तह०श्री नैना देवी जी,
स्थित स्वारघाट,जिला बिलासपुर(हि०प्र०)

हस्ताक्षर Anita Devi
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति
ग्राम वन विकास समिति
मलौण पगवाणा गाव मलौण पगवाणा
ग्राम पंचायत दरवाड़ तह० श्री नैना देवी जी,
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०)

हस्ताक्षर प्रधान
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास समिति
ग्राम वन विकास समिति
मलौण पगवाणा गाव मलौण पगवाणा
ग्राम पंचायत दरवाड़ तह० श्री नैना देवी जी,
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०)

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
Range Forest Officer
Swarghat Forest Range
Bilaspur Forest Division

Divisional Management Unit-DM
डीएमयू द्वारा स्वीकृत
Officer JICA Forestry Project,
Distt. Bilaspur (H.P.)